ACHIEVER -21

शैक्षणिक सत्र 2020–21

प्रश्न बैंक

(01 दिसंबर 2020 से.................)

कक्षा– 12वीं
विषय–हिन्दी
सेट–4

स्कूल शिक्षा विभाग धमतरी (छ0ग0)

DIRECTED BY
Shri J.P. MOURYA(IAS)
DISTT. – DHAMTARI

GUIDED BY
Shri MAYANK CHATURVEDI (IAS)
C.E.O. ZILA PANCHAYAT DHAMTARI

PRESENTED BY
Dr. RAJANI NELSON
D.E.O. DHAMTARI

प्रश्न पत्र सेट–4

कक्षा– 12वीं

विषय– हिन्दी

समय– 03 घण्टा पूर्णांक – 80

सामान्य निर्देशः–

1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. इस प्रश्न पत्र में 3 खण्ड हैं–क,ख,ग,।
3. यथा संभव तीनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
4. 01 अंकों के प्रश्नों के उत्तर लगभग 15–20 शब्दों में लिखिए।
5. 02 अंकों के प्रश्नों के उत्तर लगभग 30–40 शब्दों में लिखिए।
6. 03 अंकों के प्रश्नों के उत्तर लगभग 60–70 शब्दों में लिखिए।
7. 04 अंकों के प्रश्नों के उत्तर लगभग 80–100 शब्दों में लिखिए।
8. 05 अंकों के प्रश्नों के उत्तर लगभग 120–150 शब्दों में लिखिए।

(खण्ड–क)

प्रश्न क्रमांक 01. :– निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नो के उत्तर लिखिएः–

अंक–05

इस सम्पूर्ण सृष्टि में मनुष्य ही एक ऐसा प्राणी है जो सबसे दुखी है। जानवर पशु–पक्षी इतने दुखी नही हैं। वे अपने स्वाभाविक कार्य कर लेते है व संतुष्ट हो जाते है किन्तु मनुष्य सब कुछ साध्य–असाध्य कार्य करते हुए भी दुखी है। उसके पास कुछ न हो तो भी दुखी रहता है तथा सब कुछ पाकर भी दुखी रहता है। विपन्नता में यदि दुखी है तो सम्पन्नता में उससे भी अधिक दुखी है ,जिसके पास दो समय का भोजन नही है वह भी दुखी है और दुनिया का सबसे धनी व्यक्ति भी दुखी है। भिखारी भी दुखी है तो सिकन्दर भी दुखी था। आज सम्पूर्ण भौतिक साधनों के होते हुए भी मनुष्य अधिक दुखी व तनावग्रस्त है जितना पहने कभी नही था। इसका राज क्या है ? यदि सम्पन्नता अभिशाप है तो क्या दरिद्री होकर सुखी रहना अच्छा है, यदि ज्ञान से दुखों में वुद्धि होती है तो अज्ञानी रहकर सुखी होना श्रेष्ठ है, यदि जीवन ही दुख है तो क्या मृत्यु का वरण कर लिया जाए। यदि भौतिक प्रगति से दुखों में वृद्धि होती है तो क्या इसे रोककर पुनःआदिम जीवन व्यतीत करके सुख प्राप्त किया जाए। जैन धर्म कहता है–''जन्म दुख है,बुढ़ापा दुख है, रोग दुख है,मृत्यु दुख है। अहो । संसार दुख ही है,इसमें जीव क्लेश पा रहे है''। बौद्ध दर्शन भी जीवन को दुख रुप ही मानना है।'' पतंजलि ने भी पांच क्लेशों का वर्णन किया है जिनका मूल अविद्या को बताया है। यह अविद्या ही माया है जो भ्रमवश पैदा हुई है। पंतजलि कहते है'' अनित्य , अपवित्र, दुख और अनात्म में नित्य, पवित्र,सुख और आत्मभाव की प्रतीति ही''अविद्या है'। (योग सूत्र 215) इस प्रकार इस जगत को ही सत्य,नित्य एवं आत्मरुप मानने का जो भ्रम है वही दुखो का कारण है। इसी कारण आध्यात्मविद् कहते हैं कि विषयों में सुख है की नही। जो विषयों में ही सुख ढूंढता है कि सभी प्रकार की भौतिक संपदा प्राप्त हो जाने पर मनुष्य सुखी हो जाएगा, वह उसका भ्रम मात्र है।

1. संसार का सबसे दुखी प्राणी कौन है और क्यो ? 1
2. कौन से प्राणी दुखी नही होते है ? कैसे ?
3. मनुष्य के दुखी होने का राज क्या है ? 2
4. जैन धर्म ने जीवन की क्या व्याख्या की गई ? 2
5. पतंजलि के अनुसार अविद्या क्या है ? 2
6. गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए ? 2
7. विलोम रुप लिखिए– सम्पन्नता, अभिशाप ? 2

प्रश्न 02 :– अधोलिखित अपठित काव्यांश को पढ़कर (किन्ही 4) प्रश्नो के उत्तर लिखिए।

मेरे स्वप्न तुम्हारे पास सहारा पाने आएंगे।
इस बूढ़े पीपल की छाया में सुस्ताने आएंगे।।
होले– होले पांव हिलाओं जल सोया है छेड़ो मत।
हम सब अपने अपने दीपक सही सिराने आएंगे।।
थोड़ी आंच बची रहने दो थोड़ा धुंआ निकलने दो।
तुम देखोगी इसी बहाने कई मुसाफिर आएंगे।।
उनको क्या मालूम निरुपित इस सिकता पर क्या बीती।
वे आए तो यहां शंख सीपियां उठाने आएंगे।।
फिर अतीत के चक्रवात में में दृष्टि न उलझा लेना तुम।
अनगिन झोके बन घटनाओं को दाकहराने आएंगे।।
रह रह आंखों में चुभती है, पथ की निर्जन दोपहरी ।
आगे और बढ़े तो शायद दृश्य, सुहाने आएंगे।।
मेले में भटके होते तो कोई घर पहुचा जाता।
हम घर में भटके हैं कैसे ठौर–ठिकाने आएंगे।।
हम क्या बोले इस आंधी में कई घरौदें टूट गये।
इस सफल निर्मितियों के शव कल पहचाने जाएंगे।।
अब हो धाराएं पकड़ने इसी मुहाने आएंगे।।

प्रश्न –1. कविता के माध्यम से क्या कहा गया है ?
2. अतीत में चक्रवात से क्या तात्पर्य है ?
3. मेले मे भटकने और घर में भटकने का क्या अर्थ है ?
4. पथ में निर्जन दोपहरी से क्या आशय है ?
5. कविता में होले–होले ,रह–रह ,अपने –अपने में कौन सा अलंकार है ?

(खण्ड–ख)

प्रश्न 03:– 'मतदान केन्द्र का दृश्य' विषय पर एक रिपोर्ट लिखिए।

अथवा

'जहां सोच वहां शौचालय' पर आलेख लिखिए।

प्रश्न 04 :– निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. विशेषीकृत रिर्पोर्टिग किसे कहते हैं ?
2. एडवोकेसी पत्रकारिता क्या है ?
3. वैकल्पिक पत्रकारिता क्या है?
4. आजादी के पूर्व एवं आजादी के बाद के दा–दो समसंचार पत्रों के नाम लिखिए।

प्रश्न 05 :– अंधविश्वास और भ्रांतियां फैलाने में टी.वी.माध्यमों के इस्तेमाल पर उन्हे रुकवाने के दिशा निर्देश जारी करनें के लिए भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्री को पत्र लिखिए।

अथवा

राष्ट्रपति द्वारा ''वीर बालक पुरस्कार'' से सम्मानित अपने छोटे भाई को पत्र लिखिए।

प्रश्न 06:– निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 200 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए–

1. मेक इन इंडिया
2. कामकाजी महिलाओं की समस्या
3. क्यो न परहेज करे हम पॉलिथीन से
4. मेरे सपनो का भारत

प्रश्न 07 :–किन्ही तीन नाटककारों के नाम लिखतें हुए उनकी एक–एक रचना का नाम

अथवा

नाटक एवं कहानी में तीन प्रमुख अंतर लिखिए।

(खण्ड–ग)

प्रश्न 08 :– 1. ''सबसे तेज बौछारें गयी भादों गया'' के बाद प्रकृति में जो परिवर्तन कवि ने दिखाया है,उसका वर्णन अपने शब्दो मे कीजिए।

2. उड़ने और खिलने का कविता से क्या संबंध बनता है ?
3. थका पंथी क्या सोचकर जल्दी–जल्दी चलने लगता है ?

प्रश्न 9:– 1. ''नभ में पांती –बंधे बगंलों के पंख,
चुराए लिए जाती वे मेरी आंखे''
उपर्यक्त पंक्ति में प्रयुक्त मुहावरें का नाम एवं कवि का नाम बताइए।

2. खुद का परदा खोलने से क्या आशय है ?

प्रश्न 10:–1. ''छोटा मेरा खेत'' कविता के रुपक को स्पष्ट कीजिए।

2. तुलसीदास के कवित्त के आधार पर तत्कालिन समाज की आर्थिक विषमता पर प्रकाश डालिए।

3. फिराक की रुबाईंयों में उभरे घरेलू जीवन के बिंबो का सौदर्य स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 11:– 1. "कलाओं का अस्तित्व व्यवस्था का मोहताज नही है।" पहलवान की ढोलक पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

2. लोगों ने लड़कों की टोली को मेढक मंडली नाम किस आधार पर दिया ? यह टोली अपने आपकों इंदर सेना कहकर क्यों बुलाती थी ?

3. पहलवान की ढोलक कहानी के प्रारंभ में चित्रित प्रकृति का स्वरुप कहानी की भयावहता की ओर संकेत करती है, इस कथन पर टिप्पणी किजिए।

प्रश्न 12 – 1 सफिया के भाई ने नमक की पुड़िया ले जाने से क्यों मना कर दिया ?

2. बाजार में भगत जी के व्यक्तित्व का कौन सा सशक्त पहलू उभर कर आता है ?

3. डॉ. अंबेडकर के आदर्श समाज की कल्पना में भ्रातृता का महत्व स्पष्ट कीजिए।

4.क्या लिखूं वाठ के आधार पर निंबध लेखन हेतु अनिवार्य तत्वों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 13 – सिल्वर वैडिंग के आधार पर यशोधरा बाबू के चरित्र की विशेषताएं बताईए।

अथवा

अतीत में दबें पांव पाठ के आधार पर शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

प्रश्न 14 1. स्वयं कविता रच लेने का आत्म विश्वास लेखक के मन में कैसे पैदा हुआ ?
कैसे कहा जा सकता है कि मुअनजादड़ो शहर ताम्रकाल के शहरो में सबसे बड़ा और उत्कृष्ट था ?

2. बालक आनंदा के पिता ने किन शर्तो पर उसे विद्यालय जाने दिया ?

अथवा

यशोधरा बाबू आत्मीय आत्मीय और पारिवारिक जीवन शैली के समर्थक है। इस संबंध में आप अपने विचार लिखिए।

———000———